हिन्दुस्तान
लखनऊ
LIVE
सोमवार, 07 मई 2018

युवा

कड़ी निगरानी में 43 केंद्रों पर तीस हजार परीक्षार्थियों ने दी नीट परीक्षा

एजुकेशन अलर्ट

9 व 10 मई को भरें परीक्षा आवेदन पत्र

लखनऊ। प्राविधिक शिक्षा परिषद ने सेमेस्टर परीक्षा आवेदन पत्र भरने की तिथि को दो दिन बढ़ा दिया है। सभी परीक्षा आवेदन पत्र ऑनलाइन भरे जाएंगे। पहले इसके लिए केवल नौ मई का दिन निर्धारित किया गया था। लेकिन, अब हजारों छात्रों के फार्म छूट जाने के चलते इस तिथि को एक दिन और बढ़ा दिया गया है। अब नौ और 10 मई को सेमेस्टर परीक्षा आवेदन पत्र भरे जाएंगे।

आरटीई की दूसरी लॉटरी 15 तक

लखनऊ। आरटीई के तहत दाखिलों के लिए दूसरी लाटरी 15 मई तक जारी हो सकती है। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण मणि त्रिपाठी ने बताया कि लाटरी की तैयारी चल रही है। बच्चों को जो स्कूल आवंटित किये गए हैं, उसकी सूची तैयार की जा रही है। उसके बाद उसे आरटीई की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा। बतातें चले कि दूसरी लाटरी 25 अप्रैल को होनी थी। विभागीय देरी के चलते लाटरी की तारीख टल गई थी।

सिटी अपडेट

5 जून को आ सकता है नीट का रिजल्ट

लखनऊ। नीट का परीक्षा परिणाम पांच जून को आ सकता है। सीबीएसई ने अपने नोटिफिकेशन में परीक्षा परिणाम की तारीख तय की है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के महानिदेशक डॉ. के.के. गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में 12 सरकारी मेडिकल कॉलेज, दो विश्वविद्यालय (किंग जॉज मेडिकल यूनिवर्सिटी व सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी) व चार मेडिकल संस्थान हैं। वहीं 30 निजी मेडिकल कॉलेज व 23 निजी डेंटल कॉलेज हैं। इन सभी सरकार व निजी

बच्चों ने बढ़ते प्रदूषण से बचने का नायाब प्रोजेक्ट बनाया, विज्ञान भवन में बाल प्रतिभाओं ने

ई-कचरे से छात्रों ने बना दी स

सूरजकुंड विज्ञान भवन में रविवार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की ओर से आयोजित सीएसटीयूपी अभियांत्रिकी विद्यार्थी प्रोजेक्ट प्रदर्शन एवं मूल्यांकन कार्यक्रम में बच्चों ने प्रस्तुत किए एक से

दिखाई प्रतिभा

लखनऊ | निज संवाददाता

शहर के बढ़ते प्रदूषण में ई-कचरा सबसे बड़ी मुसीबत बनता जा रहा है। इसको खपाने के लिए अभी तक कोई की मुनासिब तरीका नहीं खोजा जा सका है। इस बड़ी समस्या को गोरखपुर से सिविल इंजीनियरिंग कर रहे छात्र आशीष कुमार सिंह, सुषमा, पूजा सिंह और प्रतीश कनौजिया ने अपने प्रयोग से काफी हद तक सुलझा लेने का दावा किया है। उन्होंने अंडे के छिलके, सिलिका पाउडर और ई-कचरे का इस्तेमाल करते हुए सड़क तैयार की है। इससे तैयार सड़क जहां पानी से खराब नहीं होगी, वहीं इस पर गिरने वाला पानी सीधे जमीन में भी जायेगा। जिससे जल स्तर को बढ़ने में भी मदद मिलेगी।

सड़क के टिकाऊ व मजबूती का दावा : विज्ञान के इस अनूठे प्रोजेक्ट का प्रदर्शन रविवार को विज्ञान भवन, सूरजकुंड में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की ओर से आयोजित प्रतियोगिता के दौरान हुआ। इसकी कीमत आरसीसी और कोलतार

जो प्रदूषित करने वाले उत्पादों को ही इस्तेमाल किया गया है, जो इसकी सबसे बड़ी खूबी रही।

ई-कचरे से तैयार सड़क ने मारी बाजी: ई-कचरे से तैयार सड़क प्रोजेक्ट को प्रथम स्थान मिला। इसके लिए गोरखपुर के छात्रों को एक लाख रुपये की धनराशि से पुरस्कृत किया गया। जबकि 75 हजार रुपये का दूसरा पुरस्कार ग्रेटर नोएडा के छात्रों के वायरलेस चार्जिंग कार और तृतीय पुरस्कार ट्रेन डिरेलमेंट रोकने की डिवाइस बनाने वाले मुरादाबाद के छात्रों को दिया गया।

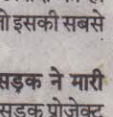

वायरलेस चार्जिंग कार ने बिखेरा जलवा: इलेक्ट्रिक कारों को दौड़ाने के लिए अब चार्ज करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। कारें सड़क पर चलते-चलते चार्ज होंगी।

इसके लिए सड़क पर डायनेमिक वायरलेस चार्जिंग का इस्तेमाल होगा। इसमें सड़क के किनारे एक ट्रैक तैयार कर नीचे तारों के लच्छे बिछाए जायेंगे। जिन्हें प्राइमरी कॉइल कहा जाएगा और कार में सेकेंड्री क्वाइल लगेगी। प्राइमरी और सेकेंड्री क्वाइल अलग-अलग होने के

पटरी से ट्रेन न उतरने का उपकरण बनाया

मुरादाबाद से आये इलेक्ट्रानि आर्या और मनीष भारद्वाज ने बनाई डिवाइस का प्रदर्शन कि बड़ी-बड़ी खूबियों को देखक गई। इसमें कोहरे के समय ट्रे यात्रा के दौरान तबीयत खरा ट्रैक पर काम करते वक्त ट्रेन किसी अनजान पशु या व्यक्ति लोको पायलट को सर्तक रख पर आ जाना एवं फायर अला की व्यवस्था की गई थी, जिस पर लगाम लग सके। प्रोजेक्ट

चार्जिंग ऑफ ए कार' प्रोजेक्ट का प्रदर्शन किया। जीपीएस से लैस कार इस ट्रैक से गुजरते ही चार्जिंग करनी शुरू कर देगी।

इसमें एक साथ सैकड़ों कारें चार्ज होंगी। इस चार्जिंग के लिए किसी पॉवर ग्रिड का ही नहीं बल्कि सोलर पैनल का भी इस्तेमाल होगा। जिन कारों में चार्जिंग होगी, उनकी कारें आटोमैटिक ही चार्ज नहीं होंगी।

प्लास्टिक कचरे से बनाया डीजल: ग्रेटर नोएडा से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे प्रशांत, रोहित और प्रदीप ने प्लास्टिक कचरे से डीजल और पेट्रोल बनाने का

जीभ से दौड़ा दी व्हील चेयर

गाजियाबाद से इंजीनियरिंग कर रहे छात्र त्रिष्टि गुप्ता, शि शर्मा व निशांत कुशवाहा ने इस मौके पर 'टंग कंट्रोल व इसमें हाथ और पैर दोनों से दिव्यांग व्यक्तियों के लिये वाली व्हील चेयर को काफी सराहना मिली। छात्रों ने जी दौड़ा कर दिखाया। अभी तक बाजार में मिलने वाली का इस्तेमाल होता है। जीभ से चलने वाली व्हीलचेयर वाले उत्पादों से भी 10 फीसदी कम है।

40 प्रोजेक्टों में दिखी बाल प्रतिभा

कुछ ऐसी ही खूबियों के साथ प्रतियोगिता में 40 अन्य गए। इनके मूल्यांकन के लिए सेवामुक्त वैज्ञानिक सीएस आईआईटी बीएचयू प्रो. विशाल मिश्रा, बीबीएयू प्रो. राज से डॉ. कर्नल माथुर को मिलाकर कुल आठ सदस्यीय मूल्यांकन कार्य किया। इस अवसर पर प्लास्टिक से डी

लखनऊ LIVE

कड़ी निगरानी में 43 केंद्रों पर तीस हजार परीक्षार्थियों ने दी नीट परीक्षा

सोमवार, 07 मई 2018

एजुकेशन अलर्ट

0 मई को भरें ा आवेदन पत्र

ऊ। प्राविधिक शिक्षा परिषद ने र परीक्षा आवेदन पत्र भरने की ो दो दिन बढ़ा दिया है। सभी आवेदन पत्र ऑनलाइन भरे पहले इसके लिए केवल नौ दिन निर्धारित किया गया था। अब हजारों छात्रों के फार्म ने के चलते इस तिथि को एक र बढ़ा दिया गया है। अब नौ 0 मई को सेमेस्टर परीक्षा न पत्र भरे जाएंगे।

टीई की दूसरी ी 15 तक

ऊ। आरटीई के तहत दाखिलों दूसरी लाटरी 15 मई तक सकती है। बेसिक शिक्षा ारी प्रवीण मणि त्रिपाठी ने कि लाटरी की तैयारी चल रही ों को जो स्कूल आवंटित ए हैं, उसकी सूची तैयार की है। उसके बाद उसे आरटीई साइट पर अपलोड कर ायेगा। बतातें चले कि दूसरी 25 अप्रैल को होनी थी। य देरी के चलते लाटरी की टल गई थी।

अपडेट

न को आ सकता है का रिजल्ट

ऊ। नीट का परीक्षा परिणाम न को आ सकता है। सई ने अपने नोटिफिकेशन में परिणाम की तारीख तय की है। ा शिक्षा विभाग के शक डॉ. केके गुप्ता ने बताया ा में 12 सरकारी मेडिकल , दो विश्वविद्यालय(किंग डिकल यूनिवर्सिटी व सैफई न यूनिवर्सिटी) व चार न संस्थान हैं। वहीं 30 निजी न कॉलेज व 23 निजी डेंटल हैं। इन सभी सरकार व निजी मिलाकर एमबीबीएस में व बीडीएस में 2370 सीटे हैं। सीटों पर दाखिले नीट के ी होंगे।

बच्चों ने बढ़ते प्रदूषण से बचने का नायाब प्रोजेक्ट बनाया, विज्ञान भवन में बाल प्रतिभाओं ने लोहा

ई-कचरे से छात्रों ने बना दी सड़

सूरजकुंड विज्ञान भवन में रविवार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की ओर से आयोजित सीएसटीयूपी अभियांत्रिकी विद्यार्थी प्रोजेक्ट प्रदर्शन एवं मूल्यांकन कार्यक्रम में बच्चों ने प्रस्तुत किए एक से बढ़कर एव

दिखाई प्रतिभा

लखनऊ | निज संवाददाता

शहर के बढ़ते प्रदूषण में ई-कचरा सबसे बड़ी मुसीबत बनता जा रहा है। इसको खपाने के लिए अभी तक कोई की मुनासिब तरीका नहीं खोजा जा सका है। इस बड़ी समस्या को गोरखपुर से सिविल इंजीनियरिंग कर रहे छात्र आशीष कुमार सिंह, सुषमा, पूजा सिंह और प्रतीश कनौजिया ने अपने प्रयोग से काफी हद तक सुलझा लेने का दावा किया है। उन्होंने अंडे के छिलके, सिलिका पाउडर और ई-कचरे का इस्तेमाल करते हुए सड़क तैयार की है। इससे तैयार सड़क जहां पानी से खराब नहीं होगी, वहीं इस पर गिरने वाला पानी सीधे जमीन में भी जायेगा। जिससे जल स्तर को बढ़ने में भी मदद मिलेगी।

सड़क के टिकाऊ व मजबूती का दावा: विज्ञान के इस अनूठे प्रोजेक्ट का प्रदर्शन रविवार को विज्ञान भवन, सूरजकुंड में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की ओर से आयोजित प्रतियोगिता के दौरान हुआ। इसकी कीमत आरसीसी और कोलतार से बनने वाली रोड की तुलना में काफी कम दिखी। सबसे बड़ी बात यह है कि यह सड़क काफी मजबूत और टिकाऊ होगी। आमतौर पर इसमें वातावरण को जो प्रदूषित करने वाले उत्पादों को ही इस्तेमाल किया गया है, जो इसकी सबसे बड़ी खूबी रही।

ई-कचरे से तैयार सड़क ने मारी बाजी: ई-कचरे से तैयार सड़क प्रोजेक्ट को प्रथम स्थान मिला। इसके लिए गोरखपुर के छात्रों को एक लाख रुपये की धनराशि से पुरस्कृत किया गया। जबकि 75 हजार रुपये का दूसरा पुरस्कार ग्रेटर नोएडा के छात्रों के वायरलेस चार्जिंग कार और तृतीय पुरस्कार ट्रेन डिरेलमेंट रोकने की डिवाइस बनाने वाले मुरादाबाद के छात्रों को दिया गया।

वायरलेस चार्जिंग कार ने बिखेरा जलवा: इलेक्ट्रिक कारों को दौड़ाने के लिए अब चार्ज करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। कारें सड़क पर चलते-चलते चार्ज होंगी।

इसके लिए सड़क पर डायनेमिक वायरलेस चार्जिंग का इस्तेमाल होगा। इसमें सड़क के किनारे एक ट्रैक तैयार कर नीचे तारों के लच्छे बिछाए जायेंगे। जिन्हें प्राइमरी क्वाइल कहा जाएगा और कार में सेकेंड्री क्वाइल लगेगी। प्राइमरी और सेकेंड्री क्वाइल अलग-अलग होने के बावजूद कारें इस ट्रैक के ऊपर से गुजरते समय चार्ज हो जाएंगी। ग्रेटर नोएडा के छात्र गौरव चौबे, शिवम शुक्ला और रवि प्रताप सिंह ने 'डायनेमिक वायरलेस चार्जिंग ऑफ ए कार' प्रोजेक्ट का प्रदर्शन किया। जीपीएस से लैस कार इस ट्रैक से गुजरते ही चार्जिंग करनी शुरू कर देगी।

इसमें एक साथ सैकड़ों कारें चार्ज होंगी। इस चार्जिंग के लिए किसी पॉवर ग्रिड का ही नहीं बल्कि सोलर पैनल का भी इस्तेमाल होगा। जिन कारों में चार्जिंग होगी, उनकी कारें आटोमैटिक ही चार्ज नहीं होंगी।

प्लास्टिक कचरे से बनाया डीजल: ग्रेटर नोएडा से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे प्रशांत, रोहित और प्रदीप ने प्लास्टिक कचरे से डीजल और पेट्रोल बनाने का मॉडल पेश किया। प्रतियोगिता में मॉडल आकर्षण का केंद्र रहा। इसमें प्लास्टिक का रियेक्टर में डालकर उससे होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के साथ डीजल और पेट्रोल जैसे उत्पादों को निकाला।

पटरी से ट्रेन न उतरने का उपकरण बनाया

मुरादाबाद से आये इलेक्ट्रानिक्स के छा आर्या और मनीष भारद्वाज ने ट्रेन डिरेल बनाई डिवाइस का प्रदर्शन किया। छोटी बड़ी-बड़ी खूबियों को देखकर मूल्यांक गई। इसमें कोहरे के समय ट्रेन के सि यात्रा के दौरान तबीयत खराब होने पर ट्रैक पर काम करते वक्त ट्रेन को आने किसी अनजान पशु या व्यक्ति के होने लोको पायलट को सर्तक रखना, दो ट्रे पर आ जाना एवं फायर अलार्म सिस्ट की व्यवस्था की गई थी, जिससे लगात पर लगाम लग सके। प्रोजेक्ट को खास

जीभ से दौड़ा दी व्हील चेयर

गाजियाबाद से इंजीनियरिंग कर रहे छात्र त्रिष्टि गुप्ता, शिवम मिश्र शर्मा व निशांत कुशवाहा ने इस मौके पर 'टंग कंट्रोल व्हेकिल' इसमें हाथ और पैर दोनों से दिव्यांग व्यक्तियों के लिये महज जी वाली व्हील चेयर को काफी सराहना मिली। छात्रों ने जीभ के स दौड़ा कर दिखाया। अभी तक बाजार में मिलने वाली आधुनिक का इस्तेमाल होता है। जीभ से चलने वाली व्हीलचेयर की की वाले उत्पादों से भी 10 फीसदी कम है।

40 प्रोजेक्टों में दिखी बाल प्रतिभा

कुछ ऐसी ही खूबियों के साथ प्रतियोगिता में 40 अन्य प्रोजेक्ट गए। इनके मूल्यांकन के लिए सेवामुक्त वैज्ञानिक सीएम नौटिय आईआईटी बीएचयू प्रो. विशाल मिश्रा, बीबीएयू प्रो. राजश्री औ से डॉ. कर्नल माथुर को मिलाकर कुल आठ सदस्यीय टीम ने मूल्यांकन कार्य किया। इस अवसर पर प्लास्टिक से डीजल औ से शब्दों को लिखना, ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम का भी प्रदर्शन हु

साथ ही इ हानिकारक मीथे इस्तेमाल करके